भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

12.08.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 4004 का उत्तर

रेल स्टेशनों पर सामान्य श्रेणी के कोचों और स्थायी होल्डिंग क्षेत्रों की संख्या बढ़ाना

4004. श्री मुरारी लाल मीना:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को जानकारी है कि सामान्य श्रेणी के कोचों में बहुत अधिक भीड़ होने और सीटों की कमी के कारण यात्रियों के बीच झगड़े और दुर्घटनाएं हो रही हैं, इनमें दिल्ली के शाहदरा रेल स्टेशन की हाल की एक घटना भी शामिल है, जिसमें सामान्य कोच में सीट को लेकर हुए झगड़े में एक युवक की जान चली गई थी और यदि हाँ, तो इस घटना की सरकारी जाँच के परिणाम क्या हैं;

(ख) क्या सरकार ने पिछले तीन वर्षों में सामान्य श्रेणी कोच में भीड़ के कारण हुई दुर्घटनाओं और अप्रिय घटनाओं का कोई आकलन किया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी वर्षवार ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए प्रमुख रेलगाड़ियों में सामान्य श्रेणी के कोचों की संख्या बढ़ाने और दौसा व बांदीकुई जैसे प्रमुख स्टेशनों पर यात्रियों के व्यवस्थित प्रबंधन के लिए स्थायी होल्डिंग क्षेत्र विकसित करने की योजना तैयार कर रही है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): भारतीय रेल में यात्रियों का यातायात पैटर्न पूरे वर्ष एक समान नहीं रहता और यह कम व्यस्त तथा अधिकतम भीड़भाड़ की अवधियों में भिन्न होता है। अधिकतम भीड़भाड़ की अवधि के दौरान, विशेषकर लोकप्रिय मार्गों पर, गाड़ियों की अधिभोगिता पूर्ण बनी रहती है, जबकि कम व्यस्त अवधि और कम लोकप्रिय मार्गों पर अधिभोगिता इष्टतम से कम रहती है।

भारतीय रेल ने अनारक्षित सवारी डिब्बों में यात्रा करने वाले यात्रियों की मांग को पूरा करने हेतु सामान्य श्रेणी यात्रा की मांग करने वाले यात्रियों के लिए सुविधाओं में उल्लेखनीय बढ़ोतरी की

है। केवल वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान ही, साधारण श्रेणी के कम से कम 4 सवारी डिब्बों वाली लंबी दूरी की विभिन्न गाड़ियों में 1250 साधारण सवारी डिब्बों का उपयोग किया गया। इसी प्रकार, वर्ष 2025-26 के दौरान 160 साधारण श्रेणी सवारी डिब्बों सहित लगभग 870 सवारी डिब्बों का उपयोग स्थायी संवर्धन के लिए किया गया है।

इसके अलावा, भारतीय रेल यात्रियों की सुविधा के लिए संपर्कता को बेहतर बनाने का निरंतर प्रयास करता है। इस उद्देश्य के लिए, नई रेलगाड़ियां शुरू की जाती हैं, मौजूदा सेवाओं का विस्तार किया जाता है और फेरों में वृद्धि की जाती है। तदनुसार, भारतीय रेल नेटवर्क पर, 2024-2025, 2025-2026 और 2026-2027 (जून, 2026 तक) के दौरान 720 से अधिक रेलगाड़ी सेवाएं शुरू की गई हैं, 300 से अधिक रेलगाड़ी सेवाओं का विस्तार किया गया है और लगभग 46 रेलगाड़ियों के फेरों में वृद्धि की गई है।

निम्न और मध्यम आय वर्ग वाले परिवारों की यात्रा संबंधी मांग को पूरा करने के लिए भारतीय रेल ने 17,000 अवातानुकूलित सवारी डिब्बों (साधारण/शयन यान) का विनिर्माण करने का कार्य शुरू कर दिया है।

भारतीय रेल पर, अवातानुकूलित सवारी डिब्बों का प्रतिशत लगभग 70% है, जबकि वातानुकूलित सीटों की तुलना में जिसका प्रतिशत लगभग 22% है, अवातानुकूलित सीटों का प्रतिशत लगभग 78% है। विवरण निम्नानुसार हैं:

तालिका 1: सवारी डिब्बों का वितरण:

सवारी डिब्बों का प्रकार	सवारी डिब्बों की संख्या	प्रतिशत
अवातानुकूलित सवारी डिब्बे (साधारण और शयन यान)	~62,000	~70%
वातानुकूलित सवारी डिब्बे	~27,000	~30%
कुल सवारी डिब्बे	~89,000	100%

तालिका 2: सीटों का वितरण:

सीटों का प्रकार	सीटों की संख्या	प्रतिशत
अवातानुकूलित सीटें	~54 लाख	~78%
वातानुकूलित सीटें	~15 लाख	~22%
कुल सीटें	~69 लाख	100%

इसके अलावा, साधारण और अवातानुकूलित शयन यान सवारी डिब्बों का उपयोग करने वाले यात्रियों को अधिक सीटें उपलब्ध कराने के लिए, मेल/एक्सप्रेस गाड़ियों की संरचना संबंधी मौजूदा नीति में 22 सवारी डिब्बों वाली एक गाड़ी में 12 (बारह) सामान्य श्रेणी और शयन यान श्रेणी अवातानुकूलित सवारी डिब्बे और 8 (आठ) वातानुकूलित सवारी डिब्बे लगाए जाते हैं, जिससे साधारण और अवातानुकूलित शयन यान सवारी डिब्बों का उपयोग करने वाले यात्रियों के लिए अधिक सीटे उपलब्ध होता है।

इसके अलावा, अनारक्षित सीटों का लाभ उठाने के इच्छुक यात्रियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए, भारतीय रेल किफायती यात्रा हेतु अनारक्षित अवातानुकूलित यात्री गाड़ियां/एमईएमयू/ईएमयू आदि परिचालित करती है, जो मेल/एक्सप्रेस सेवाओं में उपलब्ध अनारक्षित सीटों (सवारी डिब्बों) के अतिरिक्त हैं।

स्पेशल गाड़ियां

भारतीय रेल त्यौहारों, छुट्टियों आदि के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त आवश्यकताओं को पूरा करने और नियमित सेवाओं द्वारा उपलब्ध कराई गई सीटों के अलावा अतिरिक्त सीटें उपलब्ध कराने के लिए स्पेशल गाड़ी सेवाएं भी परिचालित करती है।

तदनुसार, भारतीय रेल नेटवर्क में गर्मियों/सर्दियों की छुट्टियों, होली, दुर्गा पूजा, दिवाली, छठ, क्रिसमस, सबरीमाला, ईद-उल-फितर आदि जैसे त्योहारों के दौरान यात्रियों को सुविधा प्रदान करने के लिए बड़ी संख्या में विशेष गाड़िया परिचालित की गईं हैं, जो निम्नानुसार है:

वर्ष	फेरों की संख्या
2023-24	~40,500
2024-25	~85,400
2025-26	~80,500

भारतीय रेल, समाज के सभी वर्गों को किफायती, अच्छी गुणवत्ता वाली सेवाएं प्रदान करने के अपने निरंतर प्रयास में, नई रेलगाड़ी सेवाएं शुरू करती है, मौजूदा रेलगाड़ियों का विस्तार करती है और विशेष रेलगाड़ियां भी चलाती है।

अमृत भारत और नमो भारत रैपिड रेल सेवाएं:

अमृत भारत सेवाएं

निम्न एवं मध्यम आय वर्ग के परिवारों को किफायती यातायात साधन उपलब्ध कराने हेतु भारतीय रेल ने अमृत भारत सेवाएँ प्रारम्भ की हैं, जो पूर्णतः अवातानुकूलित आधुनिक

रेलगाड़ियां हैं। अमृत भारत की वर्तमान संरचना में साधारण श्रेणी के 11 सवारी डिब्बे, शयन यान श्रेणी के 8 सवारी डिब्बे, 1 रसोई-यान और 2 सामान सह दिव्यांगजन सवारी डिब्बे शामिल हैं।

उच्च गति और उन्नत संरक्षा मानक इस रेलगाड़ी की पहचान हैं, जिसमें निम्नलिखित उन्नत विशेषताएं और सुविधाएं हैं:

i. वंदे भारत स्लीपर के समान संवर्द्धित रूप और अनुभव वाली सीट और बर्थ का बेहतर सौंदर्यीकरण।
ii. झटका रहित सेमी-ऑटोमेटिक कप्लर्स।
iii. क्रैश ट्यूब के प्रावधान से सवारी डिब्बों में बेहतर क्रैशवर्दीनैस।
iv. सभी सवारी डिब्बों और सामान कक्ष में सीसीटीवी प्रणाली का प्रावधान।
v. शौचालयों के बेहतर डिज़ाइन।
vi. बर्थ पर आसानी से चढ़ने के लिए सीढ़ी की बेहतर डिज़ाइन।
vii. बेहतर एलईडी लाइट फिटिंग और चार्जिंग सॉकेट।
viii. ईपी सहायता प्राप्त ब्रेकिंग प्रणाली का प्रावधान।
ix. शौचालयों और इलेक्ट्रिकल क्यूबिकल्स में एरोसोल आधारित अग्निशमन प्रणाली।
x. यूएसबी टाइप-ए और टाइप-सी मोबाइल चार्जिंग सॉकेट।
xi. यात्री और गार्ड/रेलगाड़ी प्रबंधक के बीच संप्रेषण के लिए आपातकालीन टॉक-बैक प्रणाली।
xii. संवर्द्धित तापन क्षमता वाला अवातानुकूलित रसोईयान।
xiii. आसानी से जोड़ने और अलग करने के लिए त्वरित निस्तारण तंत्र के साथ पूर्ण रूप से सीलबंद गैंगवे।

07.08.2026 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल नेटवर्क पर निम्नलिखित 36 जोड़ी अमृत भारत एक्सप्रेस गाड़ी सेवाएं परिचालित की जा रही हैं:

क्र.सं.	गाड़ी संख्या और नाम
1	11015/11016 लोकमान्य तिलक (टी) - सहरसा अमृत भारत एक्सप्रेस
2	13697/13698 गया - दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस
3	15293/15294 मुजफ्फरपुर - चर्लपल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस
4	15557/15558 दरभंगा - आनंद विहार (टी) अमृत भारत एक्सप्रेस
5	15561/15562 दरभंगा - गोमतीनगर अमृत भारत एक्सप्रेस
6	15567/15568 बापूधाम मोतिहारी-आनंद विहार (टी) अमृत भारत एक्सप्रेस

7	22361/22362 राजेंद्रनगर (टी) - नई दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस
8	13433/13434 एसएमवीटी बेंगलुरु - मालदा टाउन अमृत भारत एक्सप्रेस
9	13435/13436 मालदा टाउन - गोमतीनगर अमृत भारत एक्सप्रेस
10	15133/15134 छपरा - आनंद विहार (टी) अमृत भारत एक्सप्रेस
11	14047/14048 सीतामढ़ी - दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस
12	14627/14628 सहरसा - छैहरटा अमृत भारत एक्सप्रेस
13	19623/19624 मदार - दरभंगा अमृत भारत एक्सप्रेस
14	16601/16602 ईरोड - जोगबनी अमृत भारत एक्सप्रेस
15	19021/19022 उधना - ब्रह्मपुर अमृत भारत एक्सप्रेस
16	15671/15672 कामाख्या - रोहतक अमृत भारत एक्सप्रेस
17	20609/20610 न्यू जलपाईगुड़ी - तिरुच्चिराप्पल्लि अमृत भारत एक्सप्रेस
18	16597/16598 एसएमवीटी बेंगलुरु - अलीपुरद्वार अमृत भारत एक्सप्रेस
19	11031/11032 पनवेल - अलीपुरद्वार अमृत भारत एक्सप्रेस
20	16107/16108 ताम्बरम - सांतरागाछि अमृत भारत एक्सप्रेस
21	13065/13066 हावड़ा - आनंद विहार (टी) अमृत भारत एक्सप्रेस
22	22587/22588 सियालदह - बनारस अमृत भारत एक्सप्रेस
23	20603/20604 न्यू जलपाईगुड़ी - नागरकोविल अमृत भारत एक्सप्रेस
24	15949/15950 डिब्रूगढ़ - गोमती नगर अमृत भारत एक्सप्रेस
25	16121/16122 ताम्बरम - तिरुवनंतपुरम सेंट्रल अमृत भारत एक्सप्रेस
26	16329/16330 नागरकोविल - मंगलूरू अमृत भारत एक्सप्रेस
27	17041/17042 चर्लपल्ली - तिरुवनंतपुरम नॉर्थ अमृत भारत एक्सप्रेस
28	16619/16620 पोत्तनूर - धनबाद अमृत भारत एक्सप्रेस
29	16357/16358 नागरकोविल - चर्लपल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस
30	15673/15674 चर्लपल्ली - कामाख्या अमृत भारत एक्सप्रेस
31	17065/17066 चर्लपल्ली - शालिमार अमृत भारत एक्सप्रेस
32	22589/22590 बनारस - हडपसर अमृत भारत एक्सप्रेस
33	22111/22112 लोकमान्य तिलक (टी) - अयोध्या अमृत भारत एक्सप्रेस
34	14663/14664 अमृतसर - न्यू जलपाईगुड़ी अमृत भारत एक्सप्रेस
35	19725/19726 खातीपुरा - दरभंगा अमृत भारत एक्सप्रेस
36	11431/11432 पुणे - दानापुर अमृत भारत एक्सप्रेस

नमो भारत रैपिड रेल सेवाएं:

भारतीय रेल ने नमो भारत रैपिड रेल सेवाओं की शुरुआत की है। इन सेवाओं का लक्ष्य कम दूरी की यात्रा के लिए उपनगरीय और क्षेत्रीय दैनिक यात्रियों के यात्रा अनुभव में संवर्द्धन करना है। नमो भारत रैपिड रेल की प्रमुख विशेषताएं इस प्रकार हैं:

1. **केंद्रीकृत रूप से नियंत्रित डबल लीफ स्वचालित स्लाइडिंग दरवाजे।**
2. **संरक्षा और यात्रियों की निगरानी के लिए सीसीटीवी।**
3. **कुशन वाली सीटों और सीलबंद लचीले गलियारे के साथ मॉड्यूलर आंतरिक सज्जा।**
4. **आपातकालीन बातचीत प्रणाली।**
5. **ऊर्जा कुशल प्रकाश व्यवस्था के साथ एलईडी लाइटों की निरंतर व्यवस्था।**
6. **वैक्यूम निष्कासन वाले एफआरपी मॉड्यूलर शौचालय।**
7. **वातानुकूलित ड्राइवर कैब के साथ पूर्णतः वातानुकूलित गाड़ियां।**

27.07.2026 की स्थिति के अनुसार, निम्नलिखित 4 नमो भारत रैपिड रेल सेवाओं का परिचालन किया जा रहा है:

क्र.सं.	**गाड़ी सं. और नाम**
1	**94801/94802 अहमदाबाद-भुज नमो भारत रैपिड रेल**
2	**94803/94804 जयनगर-पटना नमो भारत रैपिड रेल**

दिनांक 20.06.2026 को दिल्ली शाहदरा रेलवे स्टेशन पर सामान्य श्रेणी के डिब्बे में चढ़ने को लेकर हुए विवाद में एक युवक की मृत्यु हो गई। इस संबंध में राजकीय रेल पुलिस (जीआरपी), दिल्ली द्वारा पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन थाना में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 105 एवं 3(5) के तहत एफआईआर संख्या 38/2026 पंजीकृत की गई है।

यात्रियों की संरक्षा और सुरक्षा

स्टेशनों में यात्रियों की संरक्षा व सुरक्षा के लिए रेलवे द्वारा राजकीय रेल पुलिस/स्थानीय पुलिस के साथ समन्वय करके निम्नलिखित कदम उठाए जा रहे हैं: -

i. **रेल यात्रियों को तत्काल सहायता के लिए, ऑनलाइन शिकायत निवारण प्रणाली रेल मदद शिकायत करने, सहायता मांगने और पूछताछ करने के लिए एक एकीकृत मंच प्रदान करता है। यात्री हेल्पलाइन नंबर 139, रेल मदद वेबसाइट, मोबाइल ऐप और एसएमएस जैसे कई साधनों का उपयोग करके रेल मदद के माध्यम से शिकायत**

निवारण की मांग कर सकते हैं। यह माध्यम यात्रियों को उनकी शिकायतों के समाधान पर प्रतिक्रिया साझा करने में भी सक्षम बनाता है।

ii. रेल, यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने और उनकी सुरक्षा चिंताओं को दूर करने के लिए ट्विटर, फेसबुक आदि जैसे विभिन्न सोशल मीडिया साधनों के माध्यम से रेल यात्रियों के साथ नियमित रूप से संपर्क में बनी रहती है।

iii. चोरी, झपटमारी, जहरखुरानी आदि से सावधानी बरतने हेतु यात्रियों को जागरूक करने के लिए जन उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से लगातार घोषणाएं की जाती हैं।

iv. यात्रियों के सुरक्षा संवर्द्धन के लिए अधिकांश सवारी डिब्बों में और रेलवे स्टेशनों पर उपलब्ध सीसीटीवी कैमरों द्वारा निगरानी की जाती है।

v. रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था की नियमित निगरानी और समीक्षा के लिए राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के संबंधित पुलिस महानिदेशक/आयुक्त की अध्यक्षता में सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के लिए रेलवे की राज्य स्तरीय सुरक्षा समिति (एसएलएससीआर) का गठन किया गया है।

vi. भीड़ प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए राजकीय रेल पुलिस/राज्य पुलिस और संबंधित रेल विभाग से समन्वय किया जाता है।

vii. सभी रेलवे स्टेशनों पर अतिसंवेदनशीलता का आकलन किया जाता है और तदनुसार अत्यधिक भीड़ के दौरान भीड़ को सुचारू रूप से नियंत्रित करने और यात्रियों को तत्काल सहायता प्रदान करने के लिए संवेदनशील स्थानों पर राजकीय रेल पुलिस (जीआरपी) और रेल सुरक्षा बल (आरपीएफ) कर्मियों को यथासंभव तैनात किया जाता है।

viii. अधिक भीड़ के दौरान भगदड़ जैसी स्थिति से बचने और यात्रियों को तत्काल सहायता प्रदान करने के लिए भीड़ को सुचारू रूप से नियंत्रित करने हेतु ऊपरी पैदल पार पुल पर राजकीय रेल पुलिस और रेल सुरक्षा बल कर्मियों को तैनात किया जाता है।

इसके अलावा, भारतीय रेल में स्टेशनों पर यात्रियों की भारी भीड़ को संभालने के लिए, रेलवे द्वारा निम्नलिखित निर्णय भी लिए गए हैं -

i. भारतीय रेल पर भीड़ प्रबंधन के लिए चिन्हित स्टेशनों पर स्थायी होल्डिंग क्षेत्रों का निर्माणः रेल मंत्रालय ने स्टेशनों पर प्लेटफार्मों पर भीड़ को कम करने के लिए आरामदायक, बैठने, पीने के पानी, शौचालय, टिकटिंग सुविधाओं, सूचना प्रदर्शन और भीड़ से निपटने के लिए सुरक्षा जांच जैसी आवश्यक सुविधाओं के साथ संगठित स्थानों के रूप में डिजाइन किए गए यात्री होल्डिंग क्षेत्रों को स्थापित करने की योजना शुरू की है। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर होल्डिंग क्षेत्र पहले ही चालू कर दिया गया है,

भीड़ को कम करने और अतिरिक्त टिकट काउंटर, स्वचालित टिकट वेंडिंग मशीन (एटीवीएम), यात्री जागरुकता प्रणाली (पीएएस), इलेक्ट्रॉनिक ट्रेन सूचना बोर्ड, सीसीटीवी निगरानी, सामान स्कैनर, डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर (डीएफएमडीएस), निर्बाध बिजली आपूर्ति, बेहतर प्रकाश व्यवस्था, उच्च मात्रा में कम गति (एचवीएल) पंखे, अग्निशमन और बिजली सुरक्षा प्रणाली, आर ओ पेयजल, पुरुषों, महिलाओं और दिव्यांगजनों के लिए अलग शौचालय जैसी सुविधाओं के साथ यात्री सुविधा को बढ़ाया गया है।

ii. संपूर्ण पहुंच नियंत्रण की व्यवस्था, जिसमें आरक्षित टिकट वाले यात्रियों को सीधे प्लेटफार्मों पर प्रवेश की अनुमति दी जाती है, जबकि बिना टिकट या प्रतीक्षा सूची वाले यात्रियों को बाहर के प्रतीक्षा क्षेत्रों में ठहराया जाता है। संपूर्ण पहुंच नियंत्रण की व्यवस्था की जा रही है जहां कन्फर्म आरक्षित टिकट वाले यात्रियों को सीधे प्लेटफार्मों तक पहुंच प्रदान की जाती है, जबकि बिना टिकट या प्रतीक्षा सूची वाले यात्री प्रतीक्षा क्षेत्र में प्रतीक्षा करते है।

iii. कड़ी निगरानी और प्रभावी भीड़ प्रबंधन को सुविधाजनक बनाने के लिए रेलवे स्टेशनों और आसपास के क्षेत्रों में बड़ी संख्या में एआई-सक्षम सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं।

iv. बड़े स्टेशनों पर वॉर रूम स्थापित किए जा रहे हैं, जहां सभी विभागों के अधिकारी भीड़ की स्थिति का प्रभावी ढंग से प्रबंधन करने के लिए समन्वय कर सकते है।

v. अधिक भीड़भाड़ वाले सभी स्टेशनों पर वॉकी-टॉकी, जन उद्घोषणा प्रणाली, कॉल प्रणाली जैसे नवीनतम डिज़ाइन के डिजिटल संचार उपकरण लगाए गए हैं।

vi. स्टेशन पर नियंत्रित और सुरक्षित पहुंच सुनिश्चित करने के लिए सभी कर्मचारियों और सेवाकर्मियों को नए डिज़ाइन के क्यूआर कोड आधारित पहचान पत्र जारी करना।

vii. सभी कर्मचारियों को नए डिज़ाइन की वर्दी प्रदान करना ताकि संकट की स्थिति में आसानी से उनकी पहचान की जा सके।

viii. सभी बड़े स्टेशनों पर, एक वरिष्ठ अधिकारी को स्टेशन निदेशक के रूप में नामोदिष्ट किया जाएगा, जिसके पास स्टेशन सुधार के लिए तत्काल निर्णय लेने के लिए वित्तीय शक्तियां उपलब्ध हो। एकीकृत कमान और कुशल प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए अन्य सभी विभाग द्वारा सीधे स्टेशन निदेशक को रिपोर्ट करना।

ix. स्टेशन निदेशक को स्टेशन और उपलब्ध गाड़ियों की क्षमता के अनुसार टिकटों की बिक्री को नियंत्रित करने का अधिकार देना।

<u>अमृत भारत स्टेशन:</u>

रेल मंत्रालय ने दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है।

दौसा स्टेशन पर अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत निम्नलिखित कार्य पूरे किए जा चुके हैं:

- **स्टेशन भवन और बरामदे में सुधार**
- **परिचलन क्षेत्र और पार्किंग सुविधा में सुधार**
- **प्लेटफॉर्म सतह में सुधार**
- **प्रतिक्षालय और शौचालयों में सुधार**
- **12 मीटर चौड़े नए पैदल पार पुल का प्रावधान**
- **प्लेटफॉर्म शेल्टर का प्रावधान**
- **लिफ्टों का प्रावधान**

बाँदीकुई स्टेशन पर अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत निम्नलिखित कार्य पूरे किए जा चुके हैं:

- **स्टेशन भवन में सुधार**
- **परिचलन क्षेत्र और पार्किंग सुविधा में सुधार**
- **प्लेटफॉर्म सतह में सुधार**
- **नए प्रतिक्षालय का प्रावधान**
- **शौचालय में सुधार**
- **प्लेटफॉर्म शेल्टर का प्रावधान**
- **12 मीटर चौड़े नए पैदल पार पुल का प्रावधान**

बाँदीकुई स्टेशन पर लिफ्टों का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है।

उपरोक्त सुविधाएं वर्तमान यात्री यातायात को संभालने के लिए पर्याप्त है।

अमृत भारत स्टेशन योजना में भारतीय रेल के रेलवे स्टेशनों में सुधार लाने के लिए मास्टर योजना तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन शामिल हैं। प्रत्येक स्टेशन की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए मास्टर योजना में निम्नलिखित शामिल हैं:

- **स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुंच में सुधार**
- **स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण**
- **स्टेशन भवन में सुधार**
- **प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, पेयजल बूथों में सुधार**
- **यात्री यातायात के अनुरूप अधिक चौड़े पैदल पार पुल/भूमिगत पैदल पार पथ की व्यवस्था**

- लिफ्ट/स्वचालित सीढ़ियों/रैंप की व्यवस्था
- प्लेटफॉर्म की सतह का सुधार/प्लेटफॉर्म शेल्टर की व्यवस्था
- 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क की व्यवस्था
- पार्किंग क्षेत्र का विकास
- दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं
- बेहतर यात्री सूचना प्रणाली
- एयर कॉनकोर्स, एक्जीक्यूटिव लाउंज, मल्टी मोडाल एकीकरण, भूसुदर्शनीकरण आदि का प्रावधान

इस योजना में आवश्यकता, चरणबद्धता और व्यवहार्यता के अनुसार संधारणीय और पर्यावरण अनुकूल समाधान आदि और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेंटर के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

अब तक अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास के लिए 1340 स्टेशनों को चिह्नित किया गया है, जिनमें से 85 स्टेशन राजस्थान में स्थित हैं। राजस्थान में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास के लिए चिह्नित किए गए स्टेशनों के नाम निम्नलिखित हैं:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	अमृत स्टेशनों के नाम
राजस्थान	85	आबू रोड, अजमेर, अलवर, अनूपगढ़, आसलपुर जोबनेर, बालोतरा, बांदीकुई, बारां, बाड़मेर, बयाना, ब्यावर, भरतपुर, भवानी मंडी, भीलवाड़ा, बिजयनगर, बीकानेर, बूंदी, चंदेरिया, छबड़ा गुगोर, चित्तौड़गढ़ जंक्शन, चूरू, दौसा, डीग, देगाना, देशनोक, धौलपुर, डीडवाना, डूंगरपुर, फालना, फतेहनगर, फतेहपुर शेखावटी, गांधीनगर जयपुर, गंगापुर सिटी, गोगामेड़ी, गोटन, गोविंदगढ़, हनुमानगढ़, हिण्डौन सिटी, जयपुर जं, जैसलमेर, जालौर, जवाई बांध, झालावाड़ सिटी, झुंझुनू, जोधपुर, कपासन, खैरथल, खेरली, कोटा जं, लालगढ़ जं, माण्डल गढ़, मंडावर महवा रोड, मारवाड़ भीनमाल, मारवाड़ जंक्शन, मावली जंक्शन, मेड़ता रोड जं, नागौर, नरैना, न्यू कोटा, नीम का थाना, नोखा, पाली मारवाड़, फलौदी जं, फुलेरा जं, पिंडवाड़ा, रायसिंह नगर, राजगढ़, रामदेवरा, रामगंजमंडी जंक्शन, राणा प्रतापनगर, रानी, रतनगढ़ जं, रेन, रींगस, सादुलपुर, सांगानेर, सवाई

		माधोपुर, श्री महावीरजी, सीकर, सोजत रोड, सोमेसर, श्रीगंगानगर, सुजानगढ़, सूरतगढ़, उदयपुर सिटी

राजस्थान के वे स्टेशन जहां कार्य पूरा किया जा चुका है:

राजस्थान में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य तेज गति से किए जा रहे हैं। राजस्थान में पूरे किए गए स्टेशनों का ब्यौरा निम्नानुसार है:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों का नाम
राजस्थान	18	बाड़मेर, बूंदी, दौसा, डीग, देशनोक, फतेहनगर, फतेहपुर शेखावाटी, गंगापुर सिटी, गोगामेडी, गोटन, गोविंद गढ़, जैसलमेर, खैरथल, माण्डल गढ़, मंण्डावर महुवा रोड, राजगढ़, सोजत रोड, सोमेसर

- जैसलमेर स्टेशन: जैसलमेर स्टेशन पर विकास कार्य पूरे हो चुके हैं, जिसमें मुख्य प्रवेश द्वार पर नया स्टेशन भवन, प्रतीक्षा क्षेत्र के साथ 36 मीटर चौड़ा एयर कॉनकोर्स, नया 6 मीटर चौड़ा ऊपरी पैदल पुल, परिचलन क्षेत्र का सुधार, पार्किंग, नया प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्लेटफॉर्म सतह का सुधार, लिफ्ट और एस्केलेटर शामिल हैं।
- बाड़मेर स्टेशन: बाड़मेर स्टेशन पर विकास कार्य पूरे हो चुके हैं, जिसमें स्टेशन भवन का सुधार, परिचलन क्षेत्र का सुधार, नए 12 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल, प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्लेटफॉर्म सतह का सुधार, नया प्रतीक्षालय, शौचालय और लिफ्ट शामिल हैं।

राजस्थान के अन्य स्टेशनों पर विकास की गतिविधियां भी तेज गति से शुरू की गई हैं और कुछ स्टेशनों की प्रगति निम्नानुसार है:

- गांधीनगर जयपुर स्टेशन: मुख्य प्रवेश द्वार पर स्टेशन भवन, दूसरे प्रवेश द्वार पर स्टेशन भवन, दो मंजिला बेसमेंट, एयर कॉनकोर्स, थ्रू रूफ लॉन्चिंग, प्लेटफॉर्म शेल्टरों का प्रावधान, प्लेटफॉर्म सतह में सुधार और परिचलन क्षेत्र में सुधार के कार्य पूरे कर लिए गए हैं। परिष्करण कार्य शुरू कर दिया गया है।
- जयपुर जंक्शन स्टेशन: दौसा छोर पर 6 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल, दूसरे प्रवेश द्वार पर बेसमेंट, पहुंच मार्ग, मुख्य प्रवेश द्वार पर बेसमेंट का संरचनात्मक कार्य, एयर कॉनकोर्स का संरचनात्मक कार्य और कॉनकोर्स को जोड़ने वाले 8 मीटर चौड़े केंद्रीय ऊपरी पैदल पुल के कार्य पूरे कर लिए गए हैं। सीकर छोर पर 6 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल का कार्य, मुख्य प्रवेश द्वार पर स्टेशन भवन का संरचनात्मक कार्य, रेलपथ के किनारे

ऊपरी पैदल पुल और केंद्रीय ऊपरी पैदल पुल की छत और फर्श के कार्य शुरू किए गए हैं।

- न्यू कोटा स्टेशन: स्टेशन भवन के अग्र और पश्च भाग के संरचनात्मक कार्य, पार्सल भवन, नए पैनल कक्ष, रेल सुरक्षा बल भवन, पश्च और अग्र भाग के परिचलन क्षेत्र में सुधार, प्लेटफॉर्म सं. 1 पर प्लेटफॉर्म शेल्टर और एयर कॉनकोर्स के कार्य पूरे कर लिए गए हैं। लिफ्टों, स्वचालित सीढ़ियों, थ्रू रूफ, स्टेशन भवन के अग्र और पश्च भाग का परिष्करण, प्लेटफॉर्म सं. 2 और 3 के प्लेटफॉर्म शेल्टर में सुधार, ऊपरी टैंक और भूमिगत टैंक आदि के कार्य भी शुरू किए गए हैं।
- चूरू स्टेशन: नए स्टेशन भवन का निर्माण, प्लेटफॉर्म सं. 1 और 2 पर प्लेटफॉर्म शेल्टर का सुधार, बुकिंग कार्यालय, प्रतीक्षालय, विश्रामालय, शौचालय, सवारी डिब्बा संकेतक बोर्ड और संकेतकों की संस्थापना के कार्य पूरे कर लिए गए हैं। 12 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल और लिफ्ट के कार्य शुरू किए गए हैं।
- फालना स्टेशन: स्टेशन भवन में सुधार, प्रवेश बरामदा, परिचलन क्षेत्र में सुधार, पार्किंग, प्रवेश/निकास द्वार, प्रतीक्षालय, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाओं, संकेतक, प्लेटफॉर्म शेल्टर और प्लेटफॉर्म सतह के सुधार संबंधी कार्य पूरे कर लिए गए हैं। शौचालय ब्लॉक, 12 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल और लिफ्ट के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।
- जवाई बांध स्टेशन: परिचलन क्षेत्र में सुधार, पार्किंग प्रवेश/निकास द्वार, बुकिंग काउंटर, प्रवेश बरामदा, प्रतीक्षालय, प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्लेटफॉर्म सतह का सुधार, शौचालय ब्लॉक, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, संकेतक, नया विश्रामालय और दूसरे प्रवेश द्वार पर स्टेशन भवन के विकास संबंधी कार्य पूरे कर लिए गए हैं। 12 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल और पानी के बूथों के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

इसके अलावा, यात्री सुविधाओं के प्रावधान सहित स्टेशन का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण सतत और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्य आवश्यकता, सापेक्ष प्राथमिकता के अध्यधीन और धन की उपलब्धता के अनुसार शुरू किए जाते हैं। रेलवे स्टेशनों के विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण कार्य स्टेशन की कोटि/स्थिति/सम्हाले जाने वाले यातायात आदि के आधार पर किए जाते हैं।

******